भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 183
03/02/2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

बिजली गिरने के कारण हुई मौतों के आंकड़े

183. डा. फौजिया खान:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार बिजली गिरने के कारण हुई मौतों से संबंधित कोई आंकड़ा रखती है;
(ख) यदि हां तो विगत पाँच वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षोपाय के लिए कोई उपाय किए हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ । राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) बिजली गिरने से होने वाली मौतों के आंकड़ें रखता है।

(ख) एनसीआरबी द्वारा प्रदान किया गया पिछले पांच वर्षों का विवरण, अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ग)-(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के माध्यम से, नियमित अपडेट के साथ पांच दिन पहले गरज के साथ तूफान और संबंधित मौसम की घटनाओं के लिए पूर्वानुमान और चेतावनी जारी करता है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के तहत एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे, ने अत्यंत सटीकता के साथ बिजली गिरने का पता लगाने के लिए देश में 83 स्थानों पर रणनीतिक रूप से स्थापित एक लाइटनिंग लोकेशन नेटवर्क स्थापित किया है। IITM में स्थित इस नेटवर्क का सेंट्रल प्रोसेसर, नेटवर्क से प्राप्त सिग्नल को प्राप्त करता है और संसाधित करता है और 500 मीटर तक सटीकता के साथ बिजली गिरने के स्थान की पहचान करता है। इस नेटवर्क के आउटपुट को आईएमडी और विभिन्न राज्य सरकारों के साथ साझा किया जाता है और नाउकास्टिंग उद्देश्यों के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र से, ये पूर्वानुमान और चेतावनियां मौसम विज्ञान उप-मंडल स्केल पर दी जाती हैं जबकि राज्य मौसम विज्ञान केंद्र इसे जिला स्तर पर जारी करते हैं। इसके अलावा, राज्य मौसम विज्ञान केंद्रों द्वारा स्थान/जिला स्तर पर गरज के साथ तूफान और संबंधित आपदादायी मौसम की घटनाओं को नाउकास्ट (प्रत्येक 3 घंटे में जारी अगले 3 घंटों के लिए पूर्वानुमान) द्वारा कवर किया जाता है। वर्तमान में यह सुविधा सभी जिलों और देश भर के लगभग 1084 स्टेशनों पर लागू है।

2020 में, आईआईटीएम-पुणे द्वारा दामिनी लाइटनिंग ऐप विकसित किया गया था। यह ऐप भारत में होने वाली बिजली की गिरने की सभी घटनाओं की निगरानी कर रहा है और 20KM और 40KM के दायरे में GPS अधिसूचना द्वारा व्यक्ति के निकट बिजली गिरने से पहले व्यक्ति को सचेत करता है। मोबाइल एप में बिजली गिरने की आशंका वाले क्षेत्रों में निर्देशों, सावधानियों का विस्तृत विवरण दिया गया है। यह अगले 40 मिनट के लिए वैध स्थान पर बिजली की चेतावनी भी प्रदान करता है। भारत में दामिनी ऐप के 5 लाख से ज्यादा डाउनलोड हो चुके हैं।

उपर्युक्त के अलावा, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) ने संबंधित मुद्दों में शमन कार्रवाई के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। NDMA ने 2018-2019 में गरज के साथ तूफान और बिजली / आंधी और तेज हवा पर कार्य योजना के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं और सभी राज्य सरकारों / संघ शासित राज्यों को भेजे गए हैं और NDMA की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं।
इसके अलावा NDMA ने निम्नलिखित पहल की है:

- NDMA ने गरज के साथ तूफान और बिजली गिरने पर क्या करें और क्या न करें, के लिए राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए विशिष्ट सलाह जारी की।
- NDMA ने सबसे अधिक प्रभावित राज्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से गरज के साथ तूफानऔर बिजली गिरने से पहले की तैयारी और शमन उपायों की समीक्षा की।
- गरज के साथ तूफान और बिजली गिरने से पूर्व चेतावनी प्रसार के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित करना,
- NDMA ने गरज के साथ तूफानऔर बिजली गिरने पर टीवीसी, पॉकेट बुक्स जैसी आईईसी सामग्री में क्या करें और क्या न करें, पर ऑडियो-विजुअल का उत्पादन किया।
- दूरदर्शन पर 'आपदा सामना' शो पर विशेष पैनल चर्चा (टीवी डिबेट)।
- दूरदर्शन और आकाशवाणी - NDMA ने पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल सहित आपदा संभावित राज्यों में अप्रैल 2021 के दौरान 'गरज के साथ तूफान और बिजली गिरने' पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए टीवी (दूरदर्शन) और रेडियो (आकाशवाणी) के माध्यम से अभियान चलाया है।
- NDMA द्वारा गरज के साथ तूफान और बिजली गिरने पर सोशल मीडिया अभियान चलाया जा रहा है। NDMA के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर “क्या करें” और “क्या न करें” शेयर किए जा रहे हैं और ट्विटर और फेसबुक पर लगातार वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं।

अनुलग्नक -I

2016-2020 के दौरान बिजली गिरने से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अनुसार आकस्मिक मौतों की संख्या						
क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**2016**	**2017**	**2018**	**2019**	**2020**
1	आंध्र प्रदेश	53	77	74	109	93
2	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0
3	असम	92	30	36	28	14
4	बिहार	282	263	177	400	436
5	छत्तीसगढ	211	270	213	212	246
6	गोवा	0	0	0	2	0
7	गुजरात	29	54	13	64	78
8	हरियाणा	12	3	6	1 1	3
9	हिमाचल प्रदेश	2	3	8	1	5
10	झारखंड	542	150	235	334	336
1 1	कर्नाटक	77	121	126	99	75
12	केरल	17	19	25	15	8
13	मध्य प्रदेश	639	452	381	400	429
14	महाराष्ट्र	230	284	149	189	182
15	मणिपुर	0	0	1	0	0
16	मेघालय	12	15	5	7	8
17	मिजोरम	1	1	1	1	0
18	नगालैंड	0	0	0	0	1
19	उड़ीसा	376	446	299	271	275
20	पंजाब	8	1	4	7	8
21	राजस्थान	108	121	43	88	48
22	सिक्किम	1	1	0	0	0
23	तमिलनाडु	38	74	82	57	64
24	तेलंगाना	74	79	68	96	64
25	त्रिपुरा	12	17	10	10	5
26	उत्तर प्रदेश	384	217	220	321	304
27	उत्तराखंड	1	7	2	2	10
28	पश्चिम बंगाल	110	176	179	147	170
	कुल राज्य	**3311**	**2881**	**2357**	**2871**	**2862**
29	अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह	0	1	0	1	0
30	चंडीगढ़	0	0	0	2	0

31	दादर और नागर हवेली और दमन और दीव @ +	0	2	0	1	0
32	संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली	2	0	0	0	0
33	जम्मू और कश्मीर @ *	2	1	0	1	0
34	लद्दाख @					0
35	लक्षद्वीप	0	0	0	0	0
36	पुदुचेरी	0	0	0	0	0
	कुल संघ राज्य क्षेत्र (एस)	**4**	**4**	**0**	**5**	**0**
	कुल (अखिल भारत)	**3315**	**2885**	**2357**	**2876**	**2862**
राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार						
2016-2019 के दौरान पूर्व दादर और नागर हवेली और दमन और दीवसंघ राज्य क्षेत्र का संयुक्त डेटा						
2016-2019 के दौरान लद्दाख सहित पूर्व जम्मू और कश्मीर राज्य का डेटा						
@ नव निर्मित केंद्र संघ राज्य क्षेत्र प्रदेश का डेटा						

उपर्युक्त डेटा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा प्रदान किया गया था।

******